Chapter

कांग्रेस व्यवस्था की स्थापना, चुनौतियां और पुनर्स्थापना Chapter 5

दल बदल के दुष्परिणाम

(1) राज्यों तथा केन्द्रों की सरकारें राजनीतिक अस्थिरता का शिकार बन गई

(2) दल बदलुओं को खरीदने का क्रम शुरू होने से राजनीतिक भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला है

(3) भारी भरकम मंत्रिमंडल बनने के कारण उसका कुप्रभाव प्रशासन पर पड़ने लगा

(4) राजनीतिक दलों के अवसरवादी राजनीति ने विघटन पैदा किया। छोटे-छोटे दल बनने लगे

(5) राजनीतिक दलों में अनुत्तरदायित्व की भावना बढ़ने लगी

(6) जनता का राजनीतिक दलों और उनके नेताओं पर से विश्वास उठ गया

(7) दल बदल की अवसरवादी और नैतिकता विहीन राजनीति ने देश के सार्वजनिक जीवन में आपराधिक तत्वों का प्रवेश करा दिया

(8) राजनीतिक दल बदल से राष्ट्रीय हितों की अवहेलना होती है

(9) प्रशासन तंत्र शिथिल हो जाता है

(10) विधान मंडल और विधायकों या सांसदों की प्रतिष्ठा गिर जाती है

प्रिवी पर्स (Abolition of Privy Purse)

देशी रियासतों का विलय भारतीय संघ में करने से पहले सरकार ने यह भरोसा दिया था कि रियासतों के तत्कालीन शासक परिवार को निश्चित मात्रा में निजी संपदा रखने का अधिकार होगा। साथ ही सरकार की तरफ से उन्हें कुछ विशेष भत्ते भी दिये जाएंगे इस व्यवस्था को प्रिवी पर्स कहा गया।

1967 के चुनावों के बाद इंदिरा गांधी ने प्रिवी पर्स की मांग को खत्म करने की मांग को ~~समर्थन किया~~ समर्थन किया प्रिवी पर्स की व्यवस्था को खत्म करने के लिए इंदिरा गांधी ने 1970 में संविधान में संशोधन के प्रयास किये। लेकिन राज्य सभा में इसे मंजूरी नहीं मिल सका।